Catholic Diocese of Gorakhpur

Bishop's House, Civil Lines, University P.O.,
Gorakhpur – 273 009, U.P., India

P.L. 01/23

28-11-2023

(To be read during the Community Mass on 1st Sunday of the Advent)

ख्रीस्त में मेरे प्रिय पुरोहित–भाइयो, धर्मबहिनो, धर्म–भाइयो, सेमिनारियन्स, विश्वासीगण और प्यारे बच्चो,

मैं आप सबों को त्रियेक ईश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर आर्शीवाद देता हूँ। हम लोग आगमन काल में प्रवेश कर रहे हैं। यह आगमन काल ईश्वर हमें अध्यात्मिक रूप से स्वयं को तैयार करने के लिए प्रदान किया है।

आगमन काल में जोकि चार सप्ताह की अवधि है, हमारे मनन–चिन्तन के लिए कलीसिया विभिन्न संदेश देती है। आगमन काल के प्रथम् सप्ताह का संदेश है – आशा। यह आशा हमें उस प्रतिज्ञा की याद दिलाती है जो ईश्वर ने इस्राएली लोगों से की थी। नबी इसायस कहते हैं, **"तूने उन लोगों को आनन्द और उल्लास प्रदान किया है। जैसे फसल लुनते समय या लूट बाँटते समय उल्लास होता है, वे वैसे ही तेरे सामने आनन्द मना रहे हैं। वह दाऊद के सिंहासन पर विराजमान होकर सदा के लिए शान्ति, न्याय और धार्मिकता का साम्राज्य स्थापित करेगा। विश्वमण्डल के प्रभु का अनन्य प्रेम यह कार्य सम्पन्न करेगा"** (इसायाह 9:2,6)। हम एक ऐसे समाज में रहते हैं जहाँ इन्सान अपनी उम्मीदों को खोता जा रहा है। आज के समाज के '**इस्तेमाल करो और फेंको**' (use and throw culture) वाले रिवाज ने, हमारे दिलों से, आशा जैसे सद्गुण को समाप्त कर दिया है। इससे हमें यह अहसास होता है कि हमारा कोई अस्तित्व नहीं है। इंसान को चीजों की तरह इस्तेमाल करो, जब तक वे हमारे काम आती हैं, उन्हें इस्तेमाल करो; जब वे हमारे किसी काम की न रह जायें तो उन्हें फेंक दो। इंसानों को भी अन्य कचरे की तरह कचरेदान में डाल दिया जाता है। आगमन काल हमें विषम परिस्थितियों में, उम्मीद बनाये रखने के लिए और प्रभु येसु द्वारा दी गई मुक्ति में अटल बने रहने के लिए बुलाता है।

दूसरे सप्ताह का संदेश है – तैयारी और प्रतीक्षा। हम लोग इस्राएलियों के समान, अपने जीवन में ईश्वर के आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। नबी इसायस के अध्याय 40 पद संख्या 3–5 में लिखा है, **"निर्जन प्रदेश में प्रभु का मार्ग तैयार करो। हमारे ईश्वर के लिए मैदान में रास्ता सीधा कर दो। हर एक घाटी भर दी जाये। हर एक पहाड़ और पहाड़ी समतल की जाये, खड़ी चट्टान को मैदान और कगार को घाटी बना दिया जाये। तब प्रभु ईश्वर की महिमा प्रकट हो जायेगी और शरीरधारी उसे देखेंगे; क्योंकि प्रभु ने ऐसा ही कहा है।"**

जब इस्राएली जनता ईश्वर के आने की प्रतीक्षा कर रहे थे, वे प्रार्थना और तैयारी कर रहे थे। उपभोक्तावाद और भौतिकवाद वाले (consumerism and materialism) इस संसार में, इस बात पर मनन चिन्तन करना उचित है कि हम किस हद तक प्रार्थनापूर्वक ईश्वर को ग्रहण करने के लिए अपने आपको तैयार करते हैं। हमारे जीवन में ईश्वर के आगमन के लिए, प्रार्थना करने और तैयारी करने का यह उचित समय है।

तीसरे सप्ताह का संदेश है – आनन्द और शांति। बालक येसु का जन्म हमें आनन्द और शांति प्रदान करता है। **"वे तारा देखकर बहुत आनन्दित हुए। घर में प्रवेश कर उन्होंने बालक को उसकी माता मरियम के साथ देखा और उसे साष्टांग प्रणाम किया"** (मत्ती 2:10–11)। ईश्वर–पुत्र का जन्म उन चरवाहों के जीवन में आनन्द और शांति लेकर आया, जिन्होंने गौशाला में उनके दर्शन किये। ईश्वर ने उन ज्योतिषियों के जीवन में शांति लाया, जो उनके दर्शन करने और उन्हें प्रणाम करने के लिए संसार के कोने–कोने से आये थे। ये आगमन काल हमें, अपने खोये हुए आनन्द और शांति को, बालक येसु में प्राप्त करने का समय है। इस आनन्द और शांति को हम अपने पड़ोसियों के साथ बांटने के लिए बुलाये गये हैं।

आगमन काल के चौथे सप्ताह का संदेश है – प्रेम। ईश्वर, हमारे पिता ने संसार को इतना प्यार किया कि उसने अपने इकलौते पुत्र को, हम लोगों के लिए दे दिया। सन्त योहन लिखते हैं, **"ईश्वर ने संसार को इतना प्यार किया कि उसने उसके लिए अपने एकलौते पुत्र को अर्पित कर दिया, जिससे जो उसमें विश्वास करता है, उसका सर्वनाश न हो, बल्कि अनन्त जीवन प्राप्त करे"** (योहन 3:16)। आज हमने प्रेम का तात्पर्य खो दिया है और प्रेम जैसे महान सद्‌गुण की जगह वासना ने ले ली है। आज प्रेम की पवित्रता खो गई है, यह भौतिकवादी और शारीरिक बनकर रह गया है। यह आगमन काल अपने प्रति ईश्वर के प्रेम को अनुभव करने और पड़ोसियों को अपने समान प्रेम करने का समय है।

इस तेजी से भागती दुनिया में, जो चीजें हमें ईश्वर से दूर कर रही हैं, उन्हें 'न' कहें और उन उपहारों को 'हाँ' कहें, जो हमें येसु को अनुभव करने में मदद करते हैं।

एक बार फिर से आप सबलोगों को बालक येसु के नाम पर आर्शीवाद देते हुए और आने वाले पुण्य त्योहार को हर्षोल्लास के साथ मनाने की कृपा की शुभकामनाओं के साथ,

मसीह में आपका सेवक,

बिशप मैथ्यू नेल्लिकुन्नेल सी.एस.टी.
धर्माध्यक्ष, कैथोलिक धर्मप्रान्त, गोरखपुर

✆0551 - 2332723, 2342357,9569222157 ✉ dioceseofgorakhpur@gmail.com, bpmathewnellikunnelcst@gmail.com